सशक्त नारी – सशक्त समाज

प्रस्तावना :–

आत्मनिर्भरता के बिना महिला सशक्तिकरण की कल्पना नहीं की जा सकती है। इसलिए महिला सशक्तिकरण के लिए उनको आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना पड़ेगा। इसके लिए सरकार तो ढेर सारी योजनाएं लागू करती है, लेकिन निचले स्तर पर उनको बेहतर ढंग से अमलीजामा नहीं दिया जाता। यहीं कारण है आज भी महिला-पुरूष को बराबरी का दर्जा नहीं मिल पाया है। लेकिन इसके लिए कुछ महिला संगठनों ने अपने स्तर पर महिलाओं को सशक्त करने का प्रयास किया है, जिसके कारण महिलाओं में आत्मविश्वास भी बढ़ा है और परिस्थितियों से मुकाबला करने के लिए ताकत भी दिखाई हैं। आनंदम परियोजना के अन्तर्गत महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा वार्ड न.19 सादुलशहर में महिला संगठन का निर्माण कर स्वयंसेवी संस्थाओं की सहायता से एक छोटा सा प्रयास सिलाई प्रशिक्षण के माध्यम से प्रारम्भ किया गया है।

आभार :– परियोजना को कार्यरुप देने के लिये हम हृदय से आभार व्यक्त करते है महावीर इन्टरनेशनल श्रीगंगानगर संस्था के पदाधिकारी सचिव श्री भानु प्रकाश गर्ग एवं श्री डॉ देवेन्द्र शर्मा का जिन्होंने दो सिलाई मशीने भेंट कर इस पुनीत कार्य का बीजारोपण करने में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है डॉ देवेन्द्र शर्मा हमारे इस ग्रुप के मेन्टर भी है जो उक्त स्वयंसेवी संस्था से गत लगभग 5 वर्षों से समाज सेवा के कार्यों विशेषकर वृद्धाश्रम के संचालन एवं वृद्धों को आर्थिक रुप से आत्मनिर्भर बनाने के लिये उनकी वृद्धावस्था पेंशन राज्य सरकार से प्रारम्भ करवाने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों से जुड़े हुये है तथा हम हृदय से आभार व्यक्त करते है राजकीय महिला महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अनीता शर्मा एवं समस्त स्टाफ का जिन्होने दो सिलाई मशीनें भेंट कर इस अभियान में आहूति प्रदान की है तथा हम हृदय

से आभार व्यक्त करते है एक कदम शिक्षा की ओर स्वयंसेवी संस्था के संचालक श्री श्याम लाल पुत्र श्री बुधराम जी का जिन्होने परियोजना हेतु स्थान उपलब्ध करवाने एवं समय समय पर संचालन संबंधी अन्य व्यवस्थाओं को सम्भालने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। साथ विशेष आभार व्यक्त करते है महाविद्यालय की छात्राओं सुश्री प्रिया ,सिमरन व शालू का जिन्होने महिलाओं के लिये निःशुल्क प्रशिक्षण कक्षाएं नियमित रुप से चलाकर इस अभियान को कार्यरुप प्रदान किया।

अध्याय :–

1. महिला स्वरोजगार :–

सशक्त नारी – सशक्त समाज, स्लोगन के आधार पर कार्य करते हुये सबसे पहले स्वरोजगार कार्यक्रम के तहत उन्हे आत्म निर्भरता की भावना को प्रोत्साहित करना है **महिलाओं को प्रोत्साहित करने और उनकी पेशेवर यात्रा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से महिला स्वरोजगार योजना शुरू की गई है। दूरदर्शी योजना के तहत समाज के पिछड़े वर्गों की गरीब महिलाओं को रोजगार प्रदान करती है। महिला स्वरोजगार योजना शुरू की गई है ताकि महिलाएं अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा कर सकें और इसके लिए उन्हें किसी और पर निर्भर**

नहीं होना चाहिए। इस योजना के तहत महिलाओं की आर्थिक मदद करना उद्देश्य है ताकि महिलाएं किसी और पर निर्भर न हों।

2. महिलाओं अधिकारों के प्रति जागरुकता :–

महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक बनाने के लिये महिला मण्डल का निर्माण को उनके अधिकारों के प्रति जागरुकता लाना है।

3. महिला शिक्षा :–

महिला शिक्षा संबंधी गतिविधियां चलाकर महिलाओं को मजबूत बनाने संबंधी कार्य प्रस्तुत परियोजना में शामिल है।

उद्देश्य

योजना का उद्देश्य के ऐसे उद्यमशील कुशल एवं अकुशल दस्तकारों एवं हस्तशिल्पियों तथा शिक्षित शहरी व ग्रामीण बेरोजगार महिलाओं आदि को अभिप्रेरित कर स्वयं के उद्यम / व्यवसाय की स्थापना हेतु प्रोत्साहित करना है। योजनान्तर्गत ऐसे उद्यमशील महिलाओं को जो स्वरोजगार करना चाहत हैं, महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने एवं स्वयं के उद्यम, सेवा एवं व्यवसाय को प्रारम्भ करने हेतु राष्ट्रीयकृत बैंकों / अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों / सहकारी बैंकों के माध्यम से ऋण सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि उद्यमशील अपना स्वयं का रोजगार प्रारम्भ कर सके। योजना के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- (i) स्वरोजगार हेतु नये सेवा, व्यवसाय तथा सूक्ष्म उद्योगों की स्थापना कर ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों का सृजन।
- (ii) कुशल व अकुशल दस्तकारों / हस्तशिल्पियों तथा शिक्षित शहरी व ग्रामीण बेरोजगार महिलाओं को यथासम्भव उनके आवासीय स्थल के पास रोजगार के अवसर सुलभ कराना।

महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित

सादुलशहर (सीमा सन्देश)। राजकीय महिला महाविद्यालय में आनंदम कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. अनिता शर्मा की अध्यक्षता में हुआ। प्राचार्य ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर, सक्रिय, जागरूक व ऊर्जावान बनाना है। प्रदीप खीचड़ ने घोषणा की कि सबसे पहले प्रशिक्षण लेनी वाली महिला को सिलाई मशीन भेंट की जाएगी। मधुलिका परमार, डॉ. देवेन्द्र शर्मा, कोमल बंसल, वीरेन्द्र यादव उपस्थित थी।

- (iii) शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों से नौकरी की खोज में होने वाले पलायन को रोकना |

कार्ययोजना -

ऐसे उद्यमशील कुशल एवं अकुशल दस्तकारों एवं हस्तशिल्पियों तथा शिक्षित शहरी व ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार की ओर अभिप्रेरित करने, उन्हें आवश्यक मार्ग-दर्शन देने, विभिन्न स्वरोजगार एवं उद्यम स्थापना से सम्बन्धित सभी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने तथा संचालित योजनान्तर्गत लाभान्वित कराये जाने की विशेष व्यवस्था सिलाई प्रर्शिक्षण के माध्यम से की गई है ।

पद्धति या प्रक्रिया :– वार्ड 19 की महिलाओं से ग्रुप की छात्राओं द्वारा घर–घर सम्पर्क कर उन्हें टीचिंग पद्धति एवं प्रशिक्षण पद्धति के माध्यम से स्वरोजगार हेतु सिलाई व दस्तकारी आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

गतिविधियां और समयावधि :– परियोजना में चार माह तक गतिविधियां आयोजित की गयी जिसकी प्रतिदिन प्रशिक्षण की अवधि सांय 3.00 बजे से 5.00 बजे तक रखी गयी लाभार्थी महिलाओं के अलग–अलग ग्रुप बनाकर अखबार पर कटिंग की सहायता से सलवार सूट,पेंट–कमीज सूट ,कुर्ता – पायजामा सूट व कढाई प्रशिक्षण प्रदान किया गया इसके अलावा मास्क बनाने संबंधी प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

परियोजना के दौरान संवाद ,निरीक्षण व अनुभव का विवरण :– वार्ड की महिलाएं सिलाई प्रशिक्षण के बारे में अत्यन्त उत्साहित थी उन्होने प्रशिक्षण कार्य हेतु महाविद्यालय के आनंदम कार्यक्रम की भूरि–भूरि प्रसंशा की । उन्हें जब एक महिला मण्डल के रुप में संगठित किया गया तो वे भावुक हो उठी और उन्हें यह विश्वास हो गया कि आत्म विश्वास के बल पर कोई कार्य किया जा सकता है।

परियोजना की उपलब्धियां व लाभ :–परियोजना में वार्ड निवासी कमजोर वर्ग की 100 से अधिक महिलाओं का प्रशिक्षण हेतु नामांकन हुआ लगभग 25 से अधिक महिलाएं सलवार सूट,पेंट–कमीज सूट ,कुर्ता – पायजामा सूट व कढाई कार्यों में पूर्ण प्रशिक्षित हो चुकी है। लाभार्थी महिलाओं द्वारा अपने पहनने वाले कपड़े स्वयं तैयार किये जा रहे है। कोविड–19 आपदा नियंत्रण कार्य हेतु नेहरु युवा केन्द्र श्री गंगानगर द्वारा उपलब्ध करवाये गये एक पूरे थान कपड़े के मास्क बनाकर उन्हें ग्रामीण क्षेत्र के वितरित करने हेतु उपलब्ध करवाये गये।

समूह के सदस्यों का व्यक्तिगत योगदान –

वार्ड की महिलाओं का परियोजनाओं के अन्तर्गत अत्यधिक सहयोग प्राप्त हुआ महिलाओं ने सिलाई संबंधी संसाधन अपने घरों से लाकर शिविर स्थल पर उपलब्ध करवाए शिविर स्थल की साफ सफाई का जिम्मा उन्होने स्वयं उठाया।

निष्कर्ष एवं परियोजना का अनुभव :– परियोजना के अन्तर्गत वार्ड न. 19 की महिलाओं को आर्थिक रुप से आत्म निर्भरता भावना उत्पन्न करने में सफलता प्राप्त हुयी है। बहुत सारी महिलाओं ने सिलाई सीख कर स्वयं के कपड़े सिलाई करने में आत्मनिरर्भता प्राप्त कर ली है। वे आगे चलकर अभ्यास कर इसे स्वरोजगार के रुप में अपना सकती है। तथा अपनी व अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकती है।

प्रदर्शन करती महिला पुलिसकर्मी।

सादुलशहर. सिलाई मशीन वितरित करते हुए।

महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विशेष कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लिछमा देवी छिंपा ने की। प्रधानाध्यापिका ममता कुमारी ने महिला दिवस पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका व आशा सहयोगिनी शामिल हुईं।

महाविद्यालयों में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम

सादुलशहर. राजकीय महिला महाविद्यालय में आनंदम कार्यक्रम के तहत सोमवार को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्या डॉ. अनिता शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। प्राचार्या ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें स्वावलंबी बनाकर आत्मनिर्भर, सक्रिय, जागरूक व ऊर्जावान बनाना है। महावीर इंटरनेशनल सोसायटी श्रीगंगानगर की ओर से सिलाई मशीनें मुख्य अतिथि नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप खीचड़ ने महिलाओं को प्रदान की। खीचड़ ने सिलाई प्रशिक्षण के दौरान जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीनें देने की भी घोषणा की। आनंदम कार्यक्रम प्रभारी मधुलिका परमार, डॉ. देवेन्द्र शर्मा, कोमल बंसल, वीरेन्द्र यादव आदि ने भी विचार रखे।

जेबी टीचर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्या डॉ. उषा गोदारा की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य अतिथि नायब तहसीलदार मोनिका बंसल, विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद् डॉ. अनिता शर्मा, नवीन विश्नोई, डॉ. सीमा वर्मा व सुमन हुड्डा थी। प्राचार्य डॉ. उषा गोदारा ने कहा कि महिला एक सशक्त समाज का निर्माण करती है व महिलाओं के बिना समाज की कल्पना ही नहीं की जा सकती। वहीं,मूर्ति देवी मैमोरियल बीएड कॉलेज में दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. सूरजपाल नायक की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य अतिथि मूर्ति देवी शिक्षा विकास समिति के अध्यक्ष नोहित गर्ग थे। इस दौरान चम्मच दौड़, वालीबाल, म्यूजिक चेयर, बैडमिंटन प्रतियोगिताएं हुई, जिसमें छात्राध्यापिकाओं ने उत्साह से भाग लिया।

विद्यार्थियों के हस्ताक्षर GROUP - (5)A

SAPANA	-
SAPNA	- Sapna
SAPNA RANI	-
SATVEER KAUR	- satveer kaur
SARITA	-
SATVEER KAUR	-
SEEMA	- SEEMA
SEEMA RANI	-
SATVINDER KAUR	-
SHAKUNTLA VERMA	-
SHALU	- Shallu